ई.एच.आई.–06

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2017 और जनवरी 2018 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.–06

पाठ्यक्रम शीर्षक : चीन और जापान का इतिहास (1840–1949)

इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय

इतिहास संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

सत्रीय कार्य
2017–2018

कार्यक्रम कोड : बी.डी.पी.
पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.–06

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि आपको बी.डी.पी. की कार्यक्रम दर्शिका में बताया गया है आपको इस ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

सत्र	जमा करने की तिथि	कहां जमा करना है
जुलाई 2017 सत्र के लिए	31 मार्च 2018	पूरा किया हुआ सत्रीय कार्य अपने केंद्र के संयोजक के पास जमा करा दें।
जनवरी 2018 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2018	

सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ लीजिए।

सत्रीय कार्य करने से पहले कुछ बातें :

सत्रीय कार्य करने से पहले ध्यान रखें : सामाजिक विज्ञानों में किसी भी तरह के लेखन के लिए चार सोपान आवश्यक हैं। ये हैं (क) योजना (ख) वस्तु चयन (ग) प्रस्तुतीकरण (घ) व्याख्या

क) **योजना** : आपसे क्या प्रश्न पूछा गया है और उत्तर में क्या लिखना है। इस पर विचार कीजिए। इकाइयों का ठीक तरह से अध्ययन कीजिए। कुछ अतिरिक्त जानकारी चाहें तो पुस्तकालय का उपयोग कीजिए।

यह देखें कि प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में देना है या 250 शब्दों में या सिर्फ 100 शब्दों में। बड़े प्रश्नों के लिए विवरणों के साथ व्याख्या भी करनी होगी। तीसरे प्रकार के प्रश्न के उत्तर में संगत विवरणों को संक्षेप में प्रस्तुत करें।

ख) **वस्तु चयन** : उत्तर देने के लिए आपको सही तथ्यों तथा विवरणों का चयन करना होगा। इसके लिए आप (i) अपनी इकाइयों से नोट्स लें (ii) तथ्यों को ध्यान से देखें और उत्तर के लिए अनावश्यक विवरण निकाल दें और (iii) उत्तर का पहला खाका लिख लें। इससे आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि आप उत्तर में क्या सूचनाएं/विवरण प्रस्तुत करना चाहते हैं।

ग) **प्रस्तुतीकरण** : अब आप उत्तर का दूसरा खाका तैयार करें। इससे आप अपने विचारों को स्पष्टता से व्यक्त कर सकेंगे। आप यह भी जान सकेंगे कि दी गयी शब्द सीमा में आप बात कैसे कह सकते हैं।

उत्तर का तीसरा और अंतिम प्रारूप तैयार कीजिए और देखिए कि आपने सारी आवश्यक बातें अपेक्षित शब्द सीमा में प्रस्तुत की हैं या नहीं।

घ) **व्याख्या** : इतिहास लेखन में व्याख्या की प्रक्रिया का अनन्य स्थान है। आपकी योजना तथा वस्तु चयन में भी व्याख्या की झलक दिखाई देगी। संभवतः, शायद, क्योंकि, इसलिए, आदि शब्दों के साथ आपके वक्तव्य व्याख्या की झलक देते हैं। यहां आपको ध्यान रखना होगा कि आपके तथ्य आपके वक्तव्य का समर्थन करते हैं अथवा नहीं।

टिप्पणी : अगर आपके पास समय सीमित हो तो :

1) पहला प्रारूप तैयार करें, उत्तर की संगतता, शब्द सीमा, आदि पर ध्यान दें, और
2) अंतिम प्रारूप तैयार करें।

अब आप उत्तर लिखने के लिए तैयार होंगे।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य
ई.एच.आई.–06
चीन और जापान का इतिहास (1840–1949)

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.–06
सत्रीय कार्य कोड : ई.एच.आई.–06
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2017–2018
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के निर्धारित अंक प्रश्न के सामने लिखे हैं।

भाग 1: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. चीन में आत्म-सशक्तिकरण के लिए उत्तरदायी कारकों का विश्लेषण कीजिए। इस आन्दोलन की प्रमुख विशेषताओं की चर्चा कीजिए। **20**

अथवा

चीन में मार्क्सवाद के उदय के लिए उत्तरदायी सामाजिक-राजनीतिक परस्थितियों की व्याख्या कीजिए। चीन में साम्यवाद की सफलता को आप कैसे व्याख्यायित करेंगे?

2. जापान में तोकुगावा शासन के पतन के कारणों की विवेचना कीजिए। **20**

अथवा

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद जापान को तीव्र आर्थिक विकास के मार्ग पर ले जाने वाले कारकों का विश्लेषण कीजिए।

भाग 2: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

3. तायपिंग विद्रोह की प्रकृति और प्रभाव का विश्लेषण कीजिए। **12**

अथवा

बाक्सर विद्रोह पर एक टिप्पणी लिखिए।

4. एक सामाजिक शक्ति के रूप में चीनी बुर्जआ वर्ग के उदय की विवेचना कीजिए। **12**

अथवा

चीन में राष्ट्रवाद के उदय के कारणों का विश्लेषण कीजिए।

5. जापान में मेजी पुनःस्थापन पर एक टिप्पणी लिखिए। **12**

अथवा

जापान में बौद्ध धर्म के विकास को रेखांकित कीजिए।

6. जापान में राजनीतिक दल क्यों असफल हो गए? **12**

अथवा

जापान की विस्तारवादी नीति के पीछे विभिन्न विचारधाराओं की व्याख्या कीजिए।

भाग 3: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए।

7. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए :** **6+6**

   i) चीन के शास्त्रीय (प्राचीन) काल में धर्म
   ii) मान्चुकुवो
   iii) कोरियाई प्रश्न
   iv) जापानी संविधान।